भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं .2896
शुक्रवार, 12 मार्च, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्र आधारित नीली अर्थव्यवस्था

2896 श्री के मुरलीधरन:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का समुद्र आधारित नीली अर्थव्यवस्था की वृद्धि और विकास का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या समुद्र आधारित नीली अर्थव्यवस्था के आधार पर कोई अन्वेषण शुरू किया गया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उपरोक्त परियोजना में निजी क्षेत्र की भागीदारी का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) जी, हां। भारत की समुद्र आधारित अर्थव्यवस्था पर एक ड्राफ्ट नीति रूपरेखा तैयार की गई है।

(ख) इस ड्राफ्ट समुद्र आधारित अर्थव्यवस्था नीति रूपरेखा में समुद्र तटीय क्षेत्रों के संपोषीय विकास हेतु समुद्री डॉमेन (सजीव, निर्जीव संसाधन, पर्यटन, समुद्र ऊर्जा आदि) के सभी क्षेत्रों के ईष्टतम उपयोग की अभिकल्पना की गई है। इस नीति प्रलेख में समुद्र आधारित अर्थव्यवस्था तथा समुद्र प्रशासन, समुद्र तटीय स्थानिक नियोजन तथा पर्यटन वरीयता, समुद्र में मछली पकड़ना, एक्वाकल्चर तथा मत्स्य संसाधन, मैन्युफैक्चरिंग, उभरते हुए उद्योग, व्यापार, प्रौद्योगिकी, सेवा एवं कौशल विकास, लॉजिस्टिक, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं शिपिंग, तटवर्ती तथा गहरा सागर खनन एवं ऑफशोर ऊर्जा एवं सुरक्षा, रणनीतिक आयाम एवं अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्ध हेतु राष्ट्रीय लेखांकन रूपरेखा के बारे में प्रमुख अनुशंसाएं वर्णित हैं।

(ग) जी, हां।

(घ) वर्ष 2002 एवं 2016 में अन्तरराष्ट्रीय समुद्रतल प्राधिकरण के साथ हस्ताक्षरित संविदाओं के अन्तर्गत भारत को मध्य हिंद महासगार बेसिन एवं दक्षिण-पश्चिमी हिंद महासागर में क्रमश: पॉलीमेटैलिक नॉड्यूल्स एवं पॉलीमेटैलिक सल्फाइड के अन्वेषण का अनन्य अधिकार प्रदान किया गया है। भारत इस संविदा के अनुरूप अन्तरराष्ट्रीय समुद्रों में इन क्षेत्रों में अन्वेषण करता है।

(ङ) फिक्की, सीआईआई, तथा एसोचैम जैसे औद्योगिक निकायों से अनुरोध किया गया है कि वे ड्राफ्ट समुद्र आधारित अर्थव्यवस्था नीति रूपरेखा प्रलेख के बारे में अपने विचार प्रदान करें।

*****